नवल टाइम्स

RNI No. UTTHIN/2012/42590

भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

वर्ष : 14 अंकः 17 हिन्दी साप्ताहिक हरिद्वार, बृहस्पतिवार 15 मई 2025 मूल्यः 1 रूपया पृष्ठः 4

हरिद्वार कॉरिडोर के अंतर्गत सभी प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता निर्धारित की जाएः मुख्य सचिव

हरिद्वार कॉरिडोर, ऋषिकेश मास्टर प्लान और शारदा कॉरिडोर के सम्बन्ध में सीएस ने ली बैठक

देहरादून (नवल टाइम्स)। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में हरिद्वार कॉरिडोर, ऋषिकेश मास्टर प्लान और शारदा कॉरिडोर के सम्बन्ध में बैठक ली। बैठक के दौरान उत्तराखंड निवेश एवं अवसंरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) ने उक्त विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि हरिद्वार कॉरिडोर के अंतर्गत सभी प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रोजेक्ट्स को शीघ्र धरातल पर उतारने की आवश्यकता है, उनको प्राथमिकता पर लेते हुए कार्य प्रारम्भ किए जाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि हरिद्वार एवं उसका धार्मिक महत्त्व भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में रह रहे लोगों की आस्था से जुड़ा है हरिद्वार कॉरिडोर के विकास कार्यों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि आस्था से जुड़े क्षेत्रों एवं उनके मूल स्वरूप से किसी प्रकार की छेड़छाड़ ना हो। उन्होंने योजनाओं से जुड़े हितधारकों से लगातार संवाद किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार कॉरिडोर के अंतर्गत सभी प्रोजेक्ट पर बजट, कार्यदायी संस्था, उसका रखरखाव सहित समग्र प्लान शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने यूआईआईडीबी को प्रत्येक प्रोजेक्ट की प्रकृति को देखते हुए, उनसे सम्बन्धित विभागों को योजना में शामिल किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने हरिद्वार कॉरिडोर के प्रोजेक्ट्स पर चर्चा के दौरान ब्रह्मकुंड और महिला घाट के क्षेत्र को बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सती कुंड के पुनर्विकास कार्य में सती कुंड के ऐतिहासिक महत्त्व और उसकी थीम को बनाए रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में मल्टीलेवल पार्किंग बनाने के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि नदी दर्शन में अवरोध न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों की डीपीआर तैयार हो गयी है, उन पर आगे की कार्यवाही शीघ्र शुरू की जाए।

मुख्य सचिव ने शारदा नदी रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के कार्यों की भी प्राथमिकता निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों की प्रकृति के अनुसार सम्बन्धित विभाग द्वारा ही कार्यों को संपन्न कराया जाए। उन्होंने वन भूमि में ईको टूरिज्म गतिविधियों को शामिल किए जाने की भी बात कही। उन्होंने यूआईआईडीबी को जिलाधिकारी चंपावत की प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट्स को भी शारदा कॉरिडोर में शामिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना में टूरिज्म सर्किट के विकास के साथ ही कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए हेलीपैड और हेलीपोर्ट के प्रावधान रखे जाएं। मुख्य सचिव ने ऋषिकेश मास्टर प्लान पर चर्चा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऋषिकेश का मोबिलिटी प्लान और पुराना रेलवे स्टेशन के आसपास प्रस्तावित कार्यों को समग्र रूप से तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि चंद्रभागा नदी के पुनर्जीवीकरण के लिए हाईड्रोलॉजी सर्वे कराया जाए। मुख्य सचिव ने सभी प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता निर्धारित करते हुए नितांत आवश्यक कार्यों को तत्काल शुरू कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार कॉरिडोर, शारदा रिवर फ्रंट डेवेलपमेंट और ऋषिकेश मास्टर प्लान कार्यों के महत्त्व को देखते हुए शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही शुरू की जाए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव नितेश कुमार झा, सचिन कुर्वे, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. वी. षणमुगम एवं मुख्य वन संरक्षक पी.के. पात्रो सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनमानस को उपलब्ध हो: त्रिवेंद्र

हरिद्वार(नवल टाइम्स)। लोकसभा सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में मेला नियत्रण कक्ष सीसीआर के सभा कक्ष में जिला विकास समन्व्य एवं निगरानी समिति द्धदिशाऋकी बैठक आयोजित की गई जिसमें विभिन्न विभागों के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा संचालित जल कल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई तथा पूर्व बैठक में दिए गये निर्देशों में की गई कार्यवाही की विभागवार समीक्षा की गई। समीक्षा करते हुए सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा कई महत्वकांक्षी योजनांए संचालित हो रही हैं, उन योजनाओं का लाभ आम जन तक पहुँचाने के लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ धरातल पर कार्य करना सुनिश्चित करें ताकि योजना का लाभ आम जनमानस तक पहुँच सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आपसी समन्वय के आभाव में कोई भी जन कल्याणकारी योजना बाधित नहीं होनी चाहिए। सड़क मार्गो की समीक्षा करते हुए उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि उनके अधीन जो भी सड़क निर्माण के कार्य किये जा रहे है उन कार्यो को शीर्ष प्राथमिकता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें जथा जन प्रतिनिधियों द्वारा जो समस्याएं बताई गई है उन समस्याओं पर तत्परता से कार्यवाही करना सुनिश्चित करें और साथ ही निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रें में जल भराव की स्थिति हो रही है ऐसे क्षेत्रें में जल निकासी के लिए उचित प्रबंधन करने के निर्देश दिए तथा नालियों की सफाई व्यवस्था दुरस्त करने के निर्देश दिए ताकि आम जनमानस को जल भराव की समस्या से परेशानी न उठानी पड़े। उन्होंने यह भी निर्देश दिए की जिन कार्यो में समिति का गठन किया जाना है उन कार्य के लिए समिति का गठन करते हुए विकास कार्यो

को प्राथमिकता से करना सुनिश्चित करें। जल निकासी के लिए नालियों की साफ सफाई व्यवस्था वर्षा ऋतु से पूर्व करवा ली जाए जिससे आम जनता को जल भवराव का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम के लिए साफ सफाई व्यवस्था का उचित प्रबंधन करना सुनिश्चित करें तथा डेंगू एवं मलेरिया की रोक थाम के लिए व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदूषण नियन्=ण बोर्ड को फैक्ट्रियों से निकलने वाले कैमिकल के उचित प्रबंधन के निर्देश दिए। उन्होंने इंडस्ट्रियल ऐरिया में सम्बंधित फैक्ट्री संचालक के साथ बैठक आयोजित करते हुए फैक्ट्रियों से निकलने वाले वेस्ट मैटेरियल का उचित प्रबंधन के निर्देश दिए। पेयजल की समीक्षा करते हुए उन्होंने जल निगम एवं जल संस्थान के अभियन्ताओं को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के तहत जिन गांवो में पेयजल कनेक्शन नहीं करवाए गये हैं उनमें पेयजल कनेक्शन करवाते हुए प्राथमिकता से पुष्टि करना सुनिश्चित करें, जिन क्षेत्रें में जन प्रतिनिधियों द्वारा पेयजल की समस्या से अवगत कराया जा रहा है उन क्षेत्रें में प्राथमिकता से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति करना सुनिश्चित करें इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाए। विद्युत्त विभाग की समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि विद्युत्त विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि जिन गांवों में हाई टेंशन विद्युत्त लाइने परिवर्तित की जानी है उनका प्राथमिकता से प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्हांने लो वोल्टेज वाले क्षेत्रें में भी विद्युत्त व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए इसके साथ अनावश्यक विद्युत्त कटौती न की जाए यदि कोई विद्युत्त मरम्मत कार्य किया जाता है तो इसके लिए आम जन मानस को सूचित करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने बाड़ गंगा नदी की साफ सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए तथा बाण गंगा में मछलियों के प्रबंधन के निर्देश दिए जिसके लिए मत्स्य विभाग एवं सिचाई विभाग को तालाब बनाने के निर्देश दिए इसके साथ मनरेगा के तहत छोटे छोटे तालाब बनाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह ने मा- सांसद को आश्वत किया कि उनके द्वारा जो भी दिशा निर्देश दिए गये है उनका सम्बंधित विभागों से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। इससे पूर्व मा= सांसद का जनपद आगमन पर मुख्य विकास अधिकारी आंकाक्षा कोण्डे ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

सीबीएसई बोर्ड 10वीं की परीक्षा में शिवडेल स्कूल भेल के दसवीं के छात्र दीपांशु पंवार ने राष्ट्रीय स्तर पर हासिल किया तीसरा स्थान

हरिद्वार। भेल सेक्टर-1 स्थित शिवडेल स्कूल के छात्र दीपांशु पंवार ने 13 मई को घोषित हुए दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में देशभर में तीसरा स्थान हासिल किया है। दीपांशु ने परीक्षा में 500 में से 497 अंक प्राप्त कर हरिद्वार का पूरे देश में नाम रोशन किया है। दीपांशु की सफलता पर उनके शिक्षकों, परिवार और दोस्तों में खुशी का माहौल है। शिक्षकों और सहपाठियों ने दीपांशु की कड़ी मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की और उज्जवल भविष्य की शुकामनाएं दी। उनके घर पर भी बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। शिवडेल स्कूल के प्रधानाचार्य पुनीत श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपांशु हमेशा से ही मेहनती और अनुशासित छात्र रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि सभी छात्रों के लिए प्रेरणा है। सभी को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए तथा कड़ी मेहतन करते हुए आगे बढ़ाने के गुर सीखने चाहिए। आगे की पढ़ाई साइंस स्ट्रीम से करने की तैयारी कर रहे दीपांशु ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया। उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा मेरे परिवार और शिक्षकों का समर्थन मिला। उनकी मदद और सही मार्गदर्शन ने इस मुकाम तक पहुंचाया। दीपांशु ने कहा कि आगे भी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई जारी रखते हुए प्रशाशनिक सेवा में जाकर देश की सेवा करना चाहते हैं। विद्यालय के संस्थापक स्वामी शरद पुरी ने दीपांशु को शुभकामनाएं देते हुए निरंतरता सफलता का आशीर्वाद दिया।

शांतिकुंज परिवार राष्ट्रसेवा व आंतरिक सुरक्षा के संकल्प के साथ सक्रिय

हरिद्वार। शांतिकुंज परिवार राष्ट्रसेवा एवं सुरक्षा के प्रति अपनी जागरूकता को निरंतर क्रियान्वित कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जहाँ साधकगण आध्यात्मिक अनुष्ठानों में संलग्न हैं, वहीं आश्रमवासी जनजागरण रैलियों के माध्यम से समाज में राष्ट्रप्रेम का संदेश दे रहे हैं। संस्था की अधिष्ठात्री शैलदीदी के निर्देशन तथा व्यवस्थापक योगेन्द्र गिरी के नेतृत्व में बुधवार को शांतिकुंज परिसर में आंतरिक सुरक्षा हेतु एक मॉकड्रिल की गई। मॉकड्रिल में किसी असामाजिक तत्व के वेष में आश्रम में प्रवेश करने की स्थिति को दर्शाया गया, जिसमें शांतिकुंज सुरक्षा विभाग के सदस्यों ने तत्परता, कुशलता और संयम के साथ प्रतिक्रिया दी।

सम्पादकीय

हर नागरिक पर है सुरक्षा का दायित्व

ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियान हमें याद दिलाते हैं कि देश की सुरक्षा का दायित्व सिर्फ सैनिकों पर नहीं, बल्कि हर नागरिक पर है। उनके परिवारों की मदद करना, उनके संघर्षों को समझना और उन्हें सम्मान देना ही सच्ची देशभक्ति है। जब देश का हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभाएगा, तभी हमारी सेनाएं निडर होकर सीमा पर डटे रहेंगी और हम निश्चिन्त होकर शांति से सो सकेंगे। हमारी सेना ने अद्वितीय वीरता दिखाते हुए दुश्मन को नए उपकरणों से, आक्रमण तथा सुरक्षा में तकनीकी कौशल से मुंहतोड़ जवाब दिया। यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि हर उस सैनिक के संघर्ष का प्रतीक है, जो सीमा पर देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने को हमेशा तैयार रहता है। भारत की वायु सेना के मिसाइल आक्रमण बेमिसाल थे। देश की गुप्तचर एजेंसी ने सफलता की अद्भुत कहानी लिखी है। सीमा पर थल सेना अग्निपरीक्षा से गुजर रही थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों ने न केवल शारीरिक चुनौतियों का सामना किया, बल्कि मानसिक रूप से भी खुद को मजबूत रखा। ऊँचे पहाड़ों, खतरनाक मौसम और दुर्गम इलाकों में घात लगाए दुश्मन से लोहा लेना , बिना सीमा पार किए पाकिस्तान पर हमारे देश के वीर सैनिकों ने अभूतपूर्व प्रहार किए। यह असाधारण बात थी। हर उड़ान,हर कदम पर जान का जोखिम, परिवार से दूरियाँ, और अनिश्चितता के बीच सैन्य दल का धैर्य असाधारण था। जब जवान सीमा पर डटे होते हैं, तो उनके परिवार की चिंता उनके मन में हमेशा बनी रहती है। ऐसे में समाज का दायित्व है कि वह सेना के साथ खड़ा रहें । हमारा आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग सैनिकों के परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए मदद बन सकता है। हमारे छोटे-छोटे दान, स्कॉलरशिप या रोजगार के अवसर उनके जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। हम सेना को मानसिक संबल दे सकते हैं। सैन्य अभियानों के बाद जवानों और उनके परिवारों को मनोवैज्ञानिक समर्थन की आवश्यकता होती है। काउंसलिंग सेवाएँ, समर्थन समूह और मनोरंजन के कार्यक्रम उन्हें तनाव से उबारने में मदद कर सकते हैं। सैनिकों का सम्मान केवल शब्दों तक सीमित नहीं होना चाहिए। छोटे-छोटे प्रयास, जैसे सैन्य कल्याण कोष में योगदान, रक्तदान शिविरों में भाग लेना, या सेना के अस्पतालों में स्वयंसेवा करना, हमारी कृतज्ञता को व्यक्त करने के तरीके हैं। सोशल मीडिया पर उनकी बहादुरी की कहानियाँ साझा करके भी हम समाज में जागरूकता फैला सकते हैं।

युद्ध या युद्ध विराम सर्वाधिकार मुखिया के नाम

डॉ. सुधाकर

किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधि चुनकर अपने नायक को मुखिया के पद पर स्थापित करती है तथा उसे अधिकार प्रदान करके यह अपेक्षा करती है, कि वह देश, काल और परिस्थिति के अनुरूप उपयुक्त निर्णय लेकर उसके हितों की रक्षा करेगा। होता भी यही है, यदि मुखिया जनहित में कार्य नहीं करता, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप मुखिया को पदच्युत करने का अधिकार भी जनता के हाथों में निहित रहता है। रहा सवाल आतंकवाद से निपटने का या शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध नीति बनाने का, सो यह अधिकार भी मुखिया को राष्ट्र द्वारा ही सौंपे जाते हैं। आतंकवाद के विरुद्ध भारत की नीति स्पष्ट है। विश्व में बढ़ते असंतोष और हितों के टकराव के मध्य युद्ध एक विकल्प के तौर पर किए जाते रहे हैं। युद्ध एवं शांति दो या दो से अधिक पड़ोसी देशों के मध्य अंतरराष्ट्रीय सीमा विवाद तथा किसी देश की आंतरिक सुरक्षा में दखल देने से उत्पन्न समस्याओं से जुड़े विषय हैं। विश्व आतंकवाद से त्रस्त है। अराजक तत्व शांति में विश्वास नही रखते। भारत में समय समय पर अलगाववादी तत्व सक्रिय रहे हैं। देश ने जम्मू कश्मीर के आतंकवाद को भी देखा है और पंजाब में उग्रवाद के आधार पर हुई हिंसा को भी भोगा है। कश्मीर की केसर क्यारी में पनपे आतंकवाद में अपनी जान हथेली पर रखकर हिंदुओं के पलायन की त्रासदी को भी देखा है। यही नही पश्चिमी बंगाल में रोहिंग्याओं और बंगलादेशी घुसपैठियों के आतंक की आगजनी की तपिश भी झेली है। कहने का आशय यह है कि जहां देश की सीमाओं को अस्थिर करने के प्रयास जारी रहते हैं। वहीं देश की आंतरिक स्थिति को भी विघटनकारी तत्वों की अराजक गतिविधियों से दो चार होना पड़ता रहता है। कभी देश की राजधानी में उग्र आंदोलन के नाम पर अराजकता फैलाई जाती है, कभी अन्य प्रकार से देश की शांति भंग करने के प्रयास विघटनकारी शक्तियों द्वारा किए जाते हैं। कहने का आशय यही है कि किसी भी लोकतान्त्रिक सरकार को सदैव अनेक मोर्चों पर लड़ना होता है तथा उनका दूरदर्शी समाधान खोजने हेतु विवश रहना पड़ता है। पाकिस्तान सदैव भारत विरोध की राजनीति के आधार पर गतिशील रहा है। उसकी नकारात्मक सोच का दुष्परिणाम यही है कि वहां लोकतंत्र का कोई लक्षण नहीं दिखाई देता। सैनिक शासन यदा कदा वहां से शासकों को हाशिए पर खड़ा करके सत्ता संचालित करता रहता है। छद्म युद्ध उसकी नीयत और नीति के परिचायक रहे हैं।

युद्ध विराम हो या विघटनकारी तत्वों के विरुद्ध कोई स्ट्राइक, यह दिशानायकों के चिंतन का विषय है। जो राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हैं उन्हें वैश्विक कूटनीति के तहत निर्णय लेने होते हैं, जिनसे किसी भी नागरिक की व्यक्तिगत सहमति या असहमति हो सकती है। इसे देश के नहीं किसी एक परिवार के मुखिया के सूझबूझ भरे निर्णय के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। ताज्जुब तब होता है कि जब वर्ष भर विघटनकारी शक्तियों के सुर में सुर मिलाने वाले तत्व केवल पूर्वाग्रह की भाषा बोलते हैं। समय समय पर देश, काल और परिस्थिति के अनुरूप निर्णय लेने का सर्वाधिकार मुखिया को लोकतंत्र ने ही दिया है। सो देश के मुखिया और सुरक्षाबलों के प्रति पूर्ण आस्था और विश्वास बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का लोकतांत्रिक दायित्व है इसमें किंतु परंतु के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

महान रेडियोधर्मिता वैज्ञानिक-पियरे क्यूरी

पियरे क्यूरी का जन्म 15 मई, 1859 को पेरिस में हुआ था, जहाँ उनके पिता एक सामान्य चिकित्सक थे, । सोरबोन में विज्ञान संकाय में प्रवेश करने से पहले उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही प्राप्त की। उन्होंने 1878 में भौतिकी में अपना लाइसेंस प्राप्त किया और 1882 तक भौतिकी प्रयोगशाला में एक प्रदर्शक के रूप में काम करते रहे, जब उन्हें भौतिकी और औद्योगिक रसायन विज्ञान स्कूलों में सभी व्यावहारिक कार्यों का प्रभारी बनाया गया। 1895 में उन्होंने डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की और भौतिकी के प्रोफेसर नियुक्त किए गए। उन्हें 1900 में विज्ञान संकाय में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया और 1904 में वे टाइटिलर प्रोफेसर बन गए।

क्रिस्टलोग्राफी पर अपने शुरुआती अध्ययनों में, अपने भाई जैक्स के साथ, क्यूरी ने पीजोइलेक्ट्रिक प्रभावों की खोज की। बाद में, उन्होंने कुछ भौतिक घटनाओं के संबंध में समरूपता के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया और चुंबकत्व पर अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने दिखाया कि किसी दिए गए पदार्थ के चुंबकीय गुण एक निश्चित तापमान पर बदल जाते हैं - इस तापमान को अब क्यूरी बिंदु के रूप में जाना जाता है। अपने प्रयोगों में सहायता के लिए उन्होंने कई उपकरण बनाए - तराजू, इलेक्ट्रोमीटर, पीज़ोइलेक्ट्रिक क्रिस्टल, आदि।क्यूरी ने रेडियोधर्मी पदार्थों के अध्ययन अपनी पत्नी के साथ मिलकर किए, जिनसे उन्होंने 1895 में विवाह किया था। वे बहुत कठिनाई की परिस्थितियों में प्राप्त किए गए थे - प्रयोगशाला की पर्याप्त सुविधाएँ नहीं थीं और अपनी आजीविका कमाने के लिए बहुत अधिक शिक्षण करने के तनाव में थे। उन्होंने 1898 में पिचब्लेंड के विभाजन द्वारा रेडियम और पोलोनियम की खोज की घोषणा की और बाद में उन्होंने रेडियम और इसके परिवर्तन उत्पादों के गुणों को स्पष्ट करने के लिए बहुत कुछ किया। इस युग में उनके काम ने परमाणु भौतिकी और रसायन विज्ञान में बाद के अधिकांश शोधों का आधार बनाया। 1903 में उन्हें बेक्केरेल द्वारा खोजे गए स्वत:स्फूर्त विकिरण पर उनके अध्ययन के कारण भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार का आधा हिस्सा दिया गया, जिसे पुरस्कार का दूसरा आधा हिस्सा दिया गया।उनकी पत्नी पूर्व में मैरी स्क्लोडोव्स्का थीं, जो पोलैंड के वारसॉ में एक माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक की बेटी थीं। एक बेटी, आइरीन ने फ्रेडरिक जोलियट से शादी की और वे 1935 में रसायन विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार के संयुक्त प्राप्तकर्ता थे। छोटी बेटी, ईव ने अमेरिकी राजनयिक एच.आर. लैबौइस से शादी की। वे दोनों सामाजिक समस्याओं में गहरी रुचि रखते थे, और संयुक्त राष्ट्र के बाल कोष के निदेशक के रूप में उन्होंने 1965 में ओस्लो में इसकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त किया। वह अपनी मां मैडम क्यूरी (गैलीमार्ड, पेरिस, 1938) की एक प्रसिद्ध जीवनी की लेखिका हैं, जिसका कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है।पियरे क्यूरी एक फ्रांसीसी भौतिक रसायनज्ञ थे, जिन्होंने 1903 में अपनी पत्नी मैरी क्यूरी के साथ भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार जीता था। उन्होंने और मैरी ने रेडियोधर्मिता की अपनी जांच में रेडियम और पोलोनियम की खोज की। एक प्रतिष्ठित भौतिक विज्ञानी, वे आधुनिक भौतिकी के प्रमुख संस्थापकों में से एक थे। अपने चिकित्सक

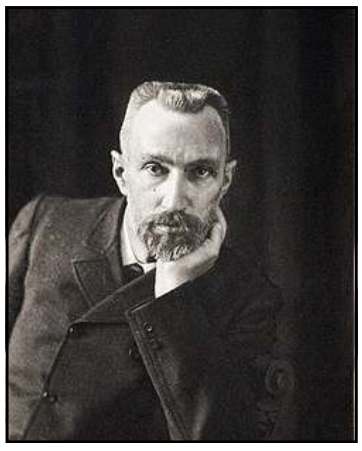

पिता द्वारा प्रशिक्षित, क्यूरी ने 14 वर्ष की आयु में गणित के प्रति प्रेम विकसित किया और स्थानिक ज्यामिति के लिए एक निश्चित योग्यता दिखाई, जिसने बाद में क्रिस्टलोग्राफी में उनके काम में उनकी अच्छी सेवा की। 16 वर्ष की आयु में मैट्रिकुलेशन और 18 वर्ष की आयु में लाइसेंस प्राप्त करने के बाद, 1878 में उन्हें सोरबोन में प्रयोगशाला सहायक नियुक्त किया गया। वहाँ क्यूरी ने अपना पहला काम थर्मल तरंगों की तरंग दैर्ध्य की गणना करना किया। इसके बाद क्रिस्टल के अधिक महत्वपूर्ण अध्ययन हुए, जिसमें उन्हें उनके बड़े भाई जैक्स ने सहायता की। समरूपता के नियमों के अनुसार क्रिस्टलीय पदार्थों के वितरण की समस्या उनके प्रमुख कार्यों में से एक थी। क्यूरी बंधुओं ने पायरोइलेक्ट्रिसिटी की घटना को उस क्रिस्टल के आयतन में परिवर्तन से जोड़ा जिसमें यह दिखाई देता है, और इस प्रकार पीजोइलेक्ट्रिसिटी की खोज की। बाद में पियरे ने तुल्यता का सिद्धांत तैयार किया, जिसमें कहा गया है कि किसी दी गई भौतिक प्रक्रिया को ऐसी अवस्था में लाना असंभव है जिसमें प्रक्रिया की विषमता के एक निश्चित छोटे तत्व का अभाव हो। इसके अलावा, यह विषमता प्रभाव में नहीं पाई जा सकती है यदि यह कारण से पहले न हो। उन्होंने विभिन्न भौतिक अवस्थाओं की तुल्यता का वर्णन किया।पियरे और मैरी क्यूरी अपनी बेटी आइरीन थीपेरिस में इकोले डेस फिजिक्स एट डी केमी इंडस्ट्रियल के निदेशक (1882) नियुक्त होने के बाद, क्यूरी ने अपना शोध फिर से शुरू किया और अंतिम भार को सीधे पढ़कर एक अप्रतिवर्ती संतुलन बनाकर विश्लेषणात्मक संतुलन को पूर्ण करने में सक्षम थीं। फिर उन्होंने चुंबकत्व पर अपना प्रसिद्ध अध्ययन शुरू किया। उन्होंने यह पता लगाने के उद्देश्य से एक डॉक्टरेट थीसिस लिखने का बीड़ा उठाया कि क्या तीन प्रकार के चुंबकत्व के बीच कोई संक्रमण था- फेरोमैग्नेटिज्म, पैरामैग्नेटिज्म और डायमैग्नेटिज्म। चुंबकीय गुणांकों को मापने के लिए, उन्होंने 0.01 मिलीग्राम वजन का एक मरोड़ संतुलन बनाया, जो अभी भी उपयोग में है और इसे क्यूरी संतुलन कहा जाता है। उसने पाया कि पैरामैग्नेटिक निकायों के आकर्षण के चुंबकीय गुणांक निरपेक्ष तापमान के साथ व्युत्क्रमानुपाती रूप से भिन्न होते हैं - क्यूरी का नियम। फिर उन्होंने पैरामैग्नेटिक निकायों और पूर्ण गैसों के बीच और परिणामस्वरूप, फेरोमैग्नेटिक निकायों और घने तरल पदार्थों के बीच एक सादृश्य स्थापित किया। क्यूरी द्वारा प्रदर्शित अनुचुम्बकत्व और प्रतिचुम्बकत्व के पूरी तरह से अलग चरित्र को बाद में पॉल लैंग्विन ने सैद्धांतिक रूप से समझाया था। 1895 में क्यूरी ने चुंबकत्व पर अपने थीसिस का बचाव किया और विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।1894 के वसंत में क्यूरी की मुलाकात मैरी स्कोलोडोस्का से हुई और उनके विवाह (25 जुलाई, 1895) ने एक विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक सफलता की शुरुआत की, जिसकी शुरुआत (1898 में) पोलोनियम और फिर रेडियम की खोज से हुई। हेनरी बेक्केरेल द्वारा खोजी गई (1896) रेडियोधर्मिता की घटना ने मैरी क्यूरी का ध्यान आकर्षित किया मैरी के साथ पिघली हुई धातुओं से शुद्ध तत्वों को निकालने के लिए काम करते हुए, एक ऐसा कार्य जिसके लिए निश्चित रूप से औद्योगिक संसाधनों की आवश्यकता थी लेकिन पारंपरिक परिस्थितियों में प्राप्त किया जा सकता था, पियरे ने खुद को नए विकिरणों के भौतिकी (ऑप्टिकल और रासायनिक प्रभावों सहित) के अध्ययन के लिए समर्पित कर दिया। रेडियम द्वारा उत्सर्जित विकिरण पर चुंबक की क्रिया द्वारा, उन्होंने सकारात्मक, नकारात्मक और तटस्थ कणों के अस्तित्व को साबित किया; इन्हें बाद में अर्नेस्ट रदरफोर्ड ने अल्फा, बीटा और गामा किरणें कहा। पियरे ने फिर कैलोरीमेट्री द्वारा इन विकिरणों का अध्ययन किया और रेडियम के शारीरिक प्रभावों को भी नोट किया, इस प्रकार रेडियम थेरेपी का रास्ता खुल गया।मैरी के साथ अपना काम जारी रखने के लिए जिनेवा विश्वविद्यालय की कुर्सी को ठुकराते हुए, पियरे क्यूरी को सोरबोन में व्याख्याता (1900) और प्रोफेसर (1904) नियुक्त किया गया। उन्हें एकेडमी ऑफ साइंसेज (1905) के लिए चुना गया, और 1903 में उन्हें और मैरी को संयुक्त रूप से रॉयल सोसाइटी का डेवी मेडल और बेक्केरेल के साथ भौतिकी में नोबेल पुरस्कार मिला। 1906 में पेरिस में रुए डौफिन पर एक ट्रेन ने उन्हें कुचल दिया और उनकी तत्काल मृत्यु हो गई। उनकी संपूर्ण रचनाएँ 1908 में प्रकाशित हुईं। पियरे और मैरी की बेटी, इरेन जोलियट-क्यूरी (जन्म 1897) ने अपने पति, फ्रेडरिक जोलियट-क्यूरी के साथ 1935 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीता।पियरे क्यूरी, जिन्हें रेडियोधर्मिता के क्षेत्र में उनके शोध साथी और पत्नी मैरी क्यूरी के साथ सह-योगदान के लिए भौतिकी में नोबेल पुरस्कार विजेता के रूप में जाना जाता है, 1906 में पेरिस में एक सड़क दुर्घटना में अचानक मृत्यु हो गई। दुखद रूप से, उनकी खोपड़ी एक घोड़ागाड़ी के पहिये के नीचे कुचल गई थी।19 अप्रैल 1906 को 46 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई,आज पियरे क्यूरी को रेडियोधर्मिता के आविष्कार के महान योगदान लिए के लिए जाना जाता है।

पाकिस्तान में पनप रहे गृह युद्ध के हालात

पहलगांव में घटित आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से एक बार फिर से पाकिस्तान हताश और निराश दिखाई दिया। इसी हताशा के चलते पाकिस्तान ने अमेरिका के समक्ष मिन्नत करके भारत की जबरदस्त कार्यवाही को युद्ध विराम में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की। लेकिन इससे पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट का पूरा समाधान नहीं निकल सका है। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। आतंक और वार्ता एक साथ नहीं हो सकती। इसका आशय स्पष्ट है कि भारत किसी के दबाव में नहीं है। आतंक को समाप्त करने के लिए उसका अभियान जारी रहेगा। हालांकि अब युद्ध विराम हो गया है, लेकिन चारों तरफ से बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के सामने अब नई चुनौती पैदा हो गई है। यह नई चुनौती भारत ने नहीं, बल्कि उनके अपनों ने ही पैदा की है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं। यह बारूद के ढेर आतंकी सरगनाओं द्वारा चल रहे प्रशिक्षण शिविर हैं। जहां आतंकी पैदा किए जाते हैं। आज जहां पूरे विश्व में आतंक के विरोध में वातावरण है, वहीं पाकिस्तान आतंकियों को पालने और पोषने वाले देश के रूप में पहचान बना चुका है। यह कई बार प्रमाणित भी हो चुका है। आज भी पाकिस्तान के अंदर अंतरराष्ट्रीय आतंकी तौर पर घोषित आतंकी छिप कर बैठे हैं। भारत ने आपरेशन सिन्दूर के तहत जिस तरह से आतंकी शिविरों पर आक्रमण किया था, उससे एक बार फिर यह सिद्ध हो चुका है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने के उद्योग चल रहे हैं। पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आतंकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आतंकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है।

राज्य सरकार चिकित्सकों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह संवेदनशील: डॉ. राजेश कुमार

स्वास्थ्य सचिव से प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ प्रतिनिधिमंडल की सकारात्मक वार्ता, अध्ययन अवकाश पर मिला आश्वासन

देहरादून(नवल टाइम्स)। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मनोज वर्मा के नेतृत्व में स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार से मुलाक़ात कर चिकित्सा समुदाय से जुड़ी विभिन्न लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के विशेषज्ञ चिकित्सकों से संबंधित प्रमुख समस्याओं को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया।वार्ता के दौरान संघ ने विशेष रूप से उन विशेषज्ञ चिकित्सकों के हित में बात रखी जो वर्ष 2016 और 2017 में पोस्ट ग्रेजुएशन हेतु गए थे। इन्हें अनुमन्य किए गए असाधारण अवैतनिक अवकाश को अवैतनिक अध्ययन अवकाश में परिवर्तित किए जाने की माँग प्रमुखता से उठाई गई। यह परिवर्तन न केवल सेवा पुस्तिका में स्पष्टता लाएगा, बल्कि चिकित्सकों की वरिष्ठता और भविष्य की प्रोन्नति पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने प्रतिनिधिमंडल की बात को गंभीरतापूर्वक सुना और कहा कि राज्य सरकार चिकित्सकों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। पीजी में गए चिकित्सकों के अध्ययन अवकाश से जुड़ा यह विषय तकनीकी व प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और हम इसे यथोचित प्राथमिकता के साथ हल करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। संबंधित विभागों से समन्वय कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन की मंशा है कि चिकित्सकगण बिना अनावश्यक बाधाओं के अपने दायित्वों का निर्वहन करें और उनकी सेवा संबंधित सभी विषयों का निराकरण पारदर्शिता एवं नियमों के अनुरूप किया जाए। स्वास्थ्य सचिव के इस आश्वासन से चिकित्सा समुदाय में संतोष और भरोसे का वातावरण बना है। इस महत्वपूर्ण बैठक में डॉ. परमार्थ जोशी, डॉ. निशांत अंजुम एवं डॉ. अभिषेक नौटियाल भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए मुद्दों को लेकर चिकित्सा समुदाय में नवीन आशा, विश्वास एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है।

आईएसबीटी चौकी प्रभारी एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

देहरादून(नवल टाइम्स)। विजिलेंस ने बुधवार को आईएसबीटी चौकी प्रभारी को एक लाख रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। चौकी इंचार्ज द्वारा गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे लगाकर बंद करने का भय दिखाकर रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता ने विजिलेंस को एक शिकायती पत्र दिया था।

बताया कि उसके दोस्त व अन्य तीन लोगों के खिलाफ जावेद नाम के व्यक्ति ने बंजारावाला देहरादून में भूमि विवाद से संबंधित एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया है, जिसकी जांच आईएसबीटी इंचार्ज देवेश खुगशाल के पास है। चौकी इंचार्ज ने गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे लगाकर बंद करने का भय दिखाकर जांच से उसके दोस्तों का नाम हटाने के लिए पांच लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता व उसके दोस्त रिश्वत नहीं देना चाहते थे। इसलिए उन्होंने विजिलेंस में शिकायत की। जिसके बाद आरोपी को रंगेहाथ पकड़ा या।

चौकी प्रभारी आईएसबीटी थाना पटेलनगर देहरादून उपनिरीक्षक देवेश खुगशाल को एक लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून में एक शिकायती पत्र इस आशय से दिया कि उसके दोस्त व अन्य तीन लोगों के खिलाफ जावेद नाम के व्यक्ति ने बंजारावाला देहरादून में भूमि विवाद से सम्बन्धित एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया है, जिसकी जांच आई0एस0बी0टी0 इंचार्ज देवेश खुगशाल, के पास है। चौकी इंचार्ज द्वारा गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे लगाकर बंद करने का भय दिखाकर उक्त जाँच से उसके दोस्तो का नाम हटाये जाने के लिए 5 लाख रू0 रिश्वत की माँग की जा रही है। शिकायतकर्ता एवं उसके दोस्त रिश्वत नही देना चाहते है। तथा चौकी प्रभारी के विरूद्ध कार्यवाही चाहते है।

शिकायत पर सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून द्वारा गोपनीय जाँच किये जाने पर प्रथम दृष्टया सही पाये जाने पर तत्काल ट्रैप टीम का गठन किया गया, टीम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए चौकी प्रभारी आईएसबीटी थाना पटेलनगर देहरादून उ0नि0 देवेश खुगशाल, को शिकायतकर्ता से 1,00,000/- रूपये (एक लाख रूपये) की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त से पूछताछ जारी है, उक्त प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा। निदेशक सतर्कता डॉ0 वी0 मुरूगेसन द्वारा ट्रैप टीम को नकद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा का किया गया भव्य आयोजन

देहरादून(नवल टाइम्स)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बुधवार को शौर्य स्थल चीड़बाग से गांधी पार्क तक भव्य तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा हाल ही में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सफलतापूर्वक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक विजय को समर्पित रही। हजारों की संख्या में आमजन, पूर्व सैनिक, युवा वर्ग एवं मातृशक्ति ने तिरंगे के साथ पद यात्रा में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शौर्य स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेने वाले वीर सैनिकों, वायु सेना, नौसेना और सभी सुरक्षा बलों को नमन करते हुए कहा कि भारत ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में पूरी तरह सक्षम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने न केवल अपने वीर सपूतों की बहादुरी का प्रदर्शन किया, बल्कि आतंकवाद और उसके समर्थकों को यह स्पष्ट संदेश भी दिया कि नया भारत अब हर आतंकी कार्रवाई का जवाब उसी की भाषा में देगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत किसी भी आतंकी चुनौती का मुँहतोड़ जवाब देने में सक्षम है और अब देश की सीमाओं की रक्षा अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक से की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वीर भूमि है, जहाँ का लगभग हर परिवार देशसेवा से जुड़ा है। उन्होंने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया कि वे सेना और सुरक्षा बलों के अनुशासन, शौर्य और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' को प्रत्येक वर्ष मनाए जाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, विधायक खजान दास, उमेश शर्मा काऊ, बृज भूषण गैरोला, भरत चौधरी, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, पूर्व राज्यसभा सांसद तरुण विजय, भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, दर्जाधारी रजनी रावत, डॉ. देवेंद्र भसीन, श्याम अग्रवाल मौजूद थे।

शिवडेल के 5 छात्रों ने हासिल किए 90 प्रतिशत से अधिक अंक

❍ वाणिज्य वर्ग के अभय प्राप्त सैनी ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर किया स्कूल टॉप

❍ विज्ञान वर्ग में प्रियंका सहगल ने हासिल किए 96.8 फीसदी अंक

हरिद्वार(नवल टाइम्स)। सीबीएसई बारहवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम में जगजीतपुर स्थित शिवडेल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। स्कूल के 5 छात्रों ने 90 फीसदी से अधिक अंक हासिल किए हैं। स्कूल के वाणिज्य वर्ग के छात्र अभय प्रताप सैनी ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया है। अथर्व सिंह ने 94 फीसदी अंकों के साथ दूसरा स्थान, 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पार्थ वर्मा ने तीसरा स्थान, पलक गुलाटी ने 91.4 फीसदी अंक हासिल कर चौथा स्थान और वंश कुमार श्रोत्रीय ने 91 फीसदी अंकों के साथ पांचवा स्थान प्राप्त किया। विज्ञानं वर्ग में प्रियंका सहगल ने 96.8 प्रतिशत के साथ प्रथम, तेजस बर्मन ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा, जहान्वी राठौर 92 प्रशितत ने तीसरा, इशिता गुप्ता 91.4 प्रतिशत ने चौथा और सिद्धांत अरोड़ा ने 90.4 अंकों के साथ पांचवा स्थान प्राप्त किया। फिजिकल एजुकेशन मे 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अभय प्रताप सैनी और इन्फार्मेटिक्स प्रैक्टिसस में 100 अंक प्राप्त कर ज्योति सक्सेना ने विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के संस्थापक स्वामी शरद पुरी एवं स्कूल के प्रधानाचार्य अरविन्द कुमार बंसल ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

वरिष्ठ पत्रकार व कांग्रेस नेता मनोज सैनी के पुत्र अभय प्रताप सैनी ने सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 98.4 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल में टॉप किया है। शिवडेल स्कूल के छात्र अभय प्रताप ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों और माता पिता को दिया है। अभय प्रताप सैनी ने बताया कि वह सिविल सर्विस में जाकर देश की सेवा करना चाहते है। अभय प्रताप सैनी की इस उपलब्धि पर स्कूल के चेयरमैन स्वामी शरद पुरी महाराज, क्लास टीचर नलिनी भारद्वाज सहित अन्य शिक्षकों और प्रधानाचार्य अरविंद बंसल ने अपनी शुभकामनाएं दी है तथा अभय प्रताप के उज्जवल भविष्य की कामना की है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व कैबिनेट मंत्री नवप्रभात, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा, सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, पूर्व मंत्री रामसिंह सैनी, ज्वालापुर विधायक रवि बहादुर, भगवानपुर विधायक ममता राकेश, झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाती, हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत, उत्तराखंड महिला आयोग की प्रथम अध्यक्ष संतोष चौहान, उत्तराखंड स्वतंत्रता सेनानी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मुरली मनोहर, पूर्व महापौर अनिता शर्मा, पूर्व विधायक रामयश सिंह, पूर्व राज्यमंत्री संजय पालीवाल, नईम कुरैशी, किरणपाल बाल्मीकि, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, पूर्व सभासद अशोक शर्मा, सांसद प्रत्याशी वीरेंद्र रावत, महापौर प्रत्याशी अमरेश बालियान, प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, महासचिव दीपक मिश्रा, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अमन गर्ग, रुड़की जिलाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजीव चौधरी, दर्जाधारी ओमप्रकाश जमदग्नि, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पराशर, महामंत्री अमन शर्मा, पूर्व दर्जाधारी अरविंद शर्मा एडवोकेट, रानीपुर प्रत्याशी राजबीर सिंह चौहान, महेश प्रताप राणा, मध्य हरिद्वार व्यापार मंडल अध्यक्ष मृदुल कौशिक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओपी चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा, जतिन हांडा, विमल शर्मा साहू, वरुण बालियान, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया, सुनील पांडेय, रजनीकांत शुक्ल, दीपक नौटियाल, संजय रावल, श्रवण झा, अमित कुमार शर्मा, समाजसेवी पंडित अधीर कौशिक, हेमा भंडारी, जगपाल सैनी, लोजमो संयोजक सुभाष सैनी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजकुमार सैनी आदि सैकड़ों लोगों ने अभय प्रताप सैनी और उनके परिवार को शुभकामनाएं दी।

गोल्डन कार्ड धारकों को मिलेगा योजना का समुचित लाभः डॉ. धन सिंह रावत

❐ उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को दिये योजना के निर्बाध संचालन के निर्देश

❐ कहा, हितधारकों से बातकर शासन को उपलब्ध करायें औचित्यपूर्ण प्रस्ताव

देहरादून(नवल टाइम्स)। प्रदेश के कर्मचारियों, पेंशनरों व उनके आश्रितों को गोल्डन कार्ड से उपचार में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों को दुरूस्थ किया जायेगा। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को लाभार्थियों को समुचित व्यवस्था मुहैया कराने के लिये ठोस इंतजामों की व्यवस्था पर फोकस करने के निर्देश दिये गये हैं, साथ ही योजना के निर्बाध संचालन के लिये हितधारकों से बातकर ठोस प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके अलावा बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत तकनीकी संवर्ग के रिक्त पदों को आई.पी.एच.एस. मानकों के अनुरूप सृजित कर शीघ्र ही भर्ती कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दीये गये।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में सचिवालय स्थित मुख्य सचिव सभागार में गोल्डन कार्ड योजना की समीक्षा की गई। जिसमें मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन सहित वित्त सचिव दिलीप जावलकर, स्वास्थ्य सचिव डा. आर राजेश कुमार के साथ ही राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अध्यक्ष अरविंद सिंह ह्यांकी व एस.एच.ए. की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीना जोशी उपास्थित रहे।

राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना (एस.जी.एच.एस.) की समीक्षा करते हुये डॉ. रावत ने अधिकारियों को गोल्डन कार्ड योजना के सभी लाभार्थियों को योजना का समुचित लाभ देने के निर्देश दिये। इसके लिये उन्होंने अधिकारियों को ठोस योजना तैयार करने को कहा ताकि गोल्डन कार्ड धारकों को योजना का अनवरत लाभ मिलता रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना प्रदेश के कर्मचारियों, पेंशनरों व उनके आश्रितों के लिये बेहद महत्वपूर्ण है और प्रत्येक लाभार्थी को बेहतर से बेहतर लाभ देना हमारा दायित्व है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को हितधारकों से सुझाव लेकर औचित्यपूर्ण प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये ताकि इसे कैबिनेट बैठक में लाया जा सके। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत गोल्डन कार्ड धारकों की ओर से आने वाले अंशदान की अपेक्षा उपचार खर्च में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे में गैप फंडिग के कारण योजना के संचालन में बाधाएं आ रही हैं। बैठक में बताया कि वर्ष 2024-25 में राजकीय व स्वायत कार्मिकों तथा पेंशनर्स की ओर से कुल 150 करोड़ रूपये का अंशदान जमा हुआ जबकि योजना के तहत लाभार्थियों के उपचार पर रूपये 335 करोड़ का खर्च आया है। जिससे अस्पतालों का भुगतान न हो पाना योजना में बाधक है। योजना के सुचारू संचालन के लिये विभागीय अधिकारियों ने मास्टर पैकेज, अंशदान में बढ़ोतरी, अस्पतालों द्वारा अनुचित आर्थिक लाभ लिए जाने की प्रवृत्ति पर अंकुश, सेवा प्रदाता को प्रोत्साहन, औषधि केंदों से दवा वितरण समेत कई सुझाव रखे, साथ ही शासन को पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव के बारे में अवगत कराया। बैठक में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. सुनीता टम्टा, राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के निदेशक वित्त अभिषेक आनंद, निदेशक प्रशासन डा विनोद टोलिया सहित स्वास्थ्य विभाग एंव एस.एच.ए के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सचिवालय स्थित मुख्य सचिव सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने स्वास्थ्य विभाग में तकनीकी संवर्ग के अंतर्गत विभिन्न पदों पर शीघ्र भर्ती करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेशभर के अधिकांश चिकित्सा इकाईयों में चिकित्सा उपकरण उपलब्ध करा दिये हैं, ऐसे में उनके संचालन एवं रख-रखाव के लिये तकनीशियों तथा विभिन्न चिकित्सालयों की पैथोलॉजी एवं ब्लड बैंकों में लैब तकनीशियनों की नियुक्ति की जानी आवश्यक है। इसके लिये उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आईपीएचएस मानकों के अनुरूप प्रत्येक चिकित्सालयों में प्रमुख रूप से लैब तकनीशियन, ओटी तकनीशियन, डायलिसिस तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन, एक्स-रे तकनीशियन, ऑप्टोमेट्रिस्ट के पदों को शीघ्र सृजित कर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिये।

स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार व स्वस्थ वातावरण से तनावरहित जीवन : डॉ दीपिका

(नवल टाइम्स)

ऋषिकेश। पंडित ललित मोहन शर्मा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश के मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी विभाग में स्पेक्स, देहरादून व स्पीकिंगक्यूब मेंटल हेल्थ काउंसलिंग फाउंडेशन के तत्वावधान में आधुनिक दौर का मुख्य कारक तनाव और बर्नआउट प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में फाउंडेशन की संस्थापक व निदेशक डॉ. दीपिका चमोली शाही द्वारा बताया कि तनाव एक शारीरिक और मानसिक प्रतिक्रिया है जो हमारे शरीर को खतरे या दबाव की स्थिति में प्रतिक्रिया करने के लिए तैयार करती है। यह हमारे जीवन में कई बार हो सकता है, जैसे कि अधिक काम के दबाव, व्यक्तिगत समस्याओं या अन्य चुनौतियों के कारण, साथ ही उन्होंने तनाव को दूर करने के लिए तरह तरह गतिविधियां जैसे सांस लेने का व्यायाम, मस्तिष्क में परिवर्तन, विश्राम व आत्म प्रेम आदि कराई व उनके बारे में बताया। इसके साथ ही सभी छात्र छात्राओं ने अपने मन में उत्पन्न हो रहे प्रश्नों का उत्तर भी डॉ.दीपिका से प्राप्त किए। इस अवसर पर

स्पेक्स के सचिव डॉ बृजमोहन शर्मा ने डॉ.दीपिका का परिचय करते हुए कहा कि डॉ दीपिका देश विदेशों में ऐसी कार्यशालाएं कराती है जिससे बहुत से लोगों को लाभ भी मिलता है व उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को डॉ.दीपिका से जुड़ने को प्रेरित किया इस अवसर पर पंडित ललित मोहन शर्मा श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश के निदेशक प्रो. एम.एस.रावत ने परिसर की ओर से मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि आजकल के दौर में मिलावटी खाना, हवा, पानी वहल व्यायामरहित जीवन के कारण युवाओं में तनाव देखने को मिल रहा है, कभी-कभी तनाव में युवा गलत संगत में पड़ जाते हैं जिससे उनके जीवन में बहुत परेशानी उत्पन्न होती है, इसलिए तनाव सभी के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है, अतः हमें आज के इस महत्वपूर्ण विषय पर डॉ दीपिका का धन्यवाद करें साथ ही इस अवसर पर एम.एल.टी.विभाग के समन्वयक प्रो.गुलशन कुमार ढींगरा ने डॉ.दीपिका का पुष्प देकर स्वागत किया व धन्यवाद किया के वो अपना महत्वपूर्ण समय निकाल कर हमारे छात्र-छात्राओं के लिए यहां आए और सभी छात्र छात्राओं को इस गंभीर विषय पर तनाव मुक्त होने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए साथ उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को इस व्याख्यान को ध्यान से सुनने के निर्देश दिए साथ ही प्रो.अहमद परवेज ने धन्यवाद ज्ञापित किया इस अवसर पर मौजूद आर्ट्स के डीन प्रो.डी.सी. गोस्वामी, प्रो.अहमद परवेज, डॉ अटल बिहारी त्रिपाठी व एम.एल.टी.विभाग की डॉ.शालिनी कोटियाल, सफिया हसन, अर्जुन पालीवाल, देवेंद्र भट्ट, डॉ.बिंदु देवी व निशांत भाटला उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने दी विभिन्न विकास योजनाओं की स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद पिथौरागढ़ में बरड़ बैंड से पांखू कोकिला देवी मंदिर तथा पांखू से धरम घर होते हुए कोटमनिया तक सडक सुधारीकरण व डामरीकरण किये जाने की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा पूर्व में मसूरी स्थित शहीद स्थल पर शेड के निर्माण किये जाने की घोषणा को मसूरी शहीद स्मारक समिति द्वारा किये गये अनुरोध पर संशोधित करते हुए मसूरी शहीद स्थल से लगी भूमि पर उत्तराखण्ड आंदोलन में शहीदों के नाम पर संग्रहालय बनाए जाने की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए प्रदान की वित्तीय स्वीकृति। मुख्यमंत्री ने जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र जागेश्वर में ग्राम पंचायत पीतना में बहुउद्देशीय भवन के निर्माण किये जाने हेतु 95.84 लाख तथा गांधी इंटर कॉलेज पनुआनौला में 04 कक्षों के निर्माण किये जाने हेतु 99.95 लाख की स्वीकृति प्रदान की है।

कानूनी सलाहकार
एड. अनुज कुमार शर्मा
चैम्बर नं. 20, रोशनाबाद
हरिद्वार (उत्तराखंड)
मो. 9837387718

शांतिकुंज में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 245 ने स्वास्थ्य परीक्षण

हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज शताब्दी चिकित्सालय एवं मेदांता हॉस्पिटल (गुरुग्राम) के संयुक्त तत्वावधान में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में एक दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का शुभारंभ शांतिकुंज के व्यवस्थापक योगेन्द्र गिरि, शांतिकुंज चिकित्सालय प्रभारी डॉ. मंजुश्री चोपदार, तथा मेदांता हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान व्यवस्थापक श्री गिरि ने कहा कि संस्था की अधिष्ठात्री शैलदीदी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से जनसामान्य को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना हमारा ध्येय रहा है। स्वास्थ्य सेवा को जन-जन तक पहुँचाना शांतिकुंज का एक सतत प्रयास है। इससे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और इससे लोगों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएँ सुलभ होती हैं। नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों के माध्यम से हम जरूरतमंदों तक राहत पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। चिकित्सालय प्रभारी डॉ. मंजुश्री चोपदार ने बताया कि इस शिविर में शांतिकुंजवासी, हरिपुर कलाँ, भोपतवाला

सहित आसपास के क्षेत्रें से आए 245 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। सभी लाभार्थियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श प्रदान किया गया एवं आवश्यकतानुसार शांतिकुंज शताब्दी चिकित्सालय की ओर से नि:शुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गईं। उन्होंने बताया कि मेदांता हॉस्पिटल के डॉ. हिमांशु पुनिया (कार्डियोलॉजिस्ट), डॉ. रमेश झा (इंटरनल मेडिसिन), डॉ. जीतेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में 14 सदस्यीय टीम पहुंची थी। साथ ही डॉ. अमर नाथ सास्वत, डॉ गोपीवल्लभ पाटीदार ने भी मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण किया। शिविर में हृदय रोग, मधुमेह, रक्तचाप, नेत्र रोग, अस्थि रोग आदि से संबंधित बीमारियों की जाँच की गई।

चार आईएएस अधिकारियों के तबादले

देहरादून। उत्तराखंड में एक बार फिर आईएएस अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल किया गया है. 10 मई को 25 आईएएस और 13 पीसीएस अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल के बाद एक बार फिर उत्तराखंड शासन ने चार आईएएस अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल कर दिया है। आईएएस अधिकारी निकिता खंडेलवाल को आईटीडीए के निदेशक पद से अवमुक्त कर दिया गया है। शहरी विकास विभाग के निदेशक गौरव कुमार को आईटीडीए निदेशक की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा दो और आईएएस अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल किया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी डिजिटल एजेंसी (आईटीडीए) एक महत्वपूर्ण विभाग है। सभी सरकारी विभागों के वेबसाइट साथ ही सरकारी सिस्टम की डिजिटल प्लेटफॉर्म को तैयार करने के साथ ही सिक्योर करने का भी काम करती है। वर्तमान समय में भारत- पाक के बीच चल रहे तनाव के दौरान साइबर अटैक की संभावना भी बनी हुई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजीव शर्मा ने किरण ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, निकट गुरूकुल कांगड़ी फार्मेसी, कनखल, हरिद्वार (उत्तराखंड) से छपवाकर, म.नं. डी-31/2 आदर्शनगर कालोनी, गोल गुरूद्वारा, सेंटमेरी स्कूल के पीछे, ज्वालापुर हरिद्वार (उत्तराखंड) से प्रकाशित किया।

: सम्पादक :
संजीव शर्मा
मो. 8057605991/9897106991
ईमेलः navaltimes@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा

प्रबंध संपादक
डा. संदीप भारद्वाज
बिजनौर प्रभारी
विशाल शर्मा

सभी पद अवैतनिक हैं